NAME - VIKAS KUMAR TIWARI

College Name - Shakuntalam Institute of Teacher's Education
Sasaram, Rohtas - 821115

Subject Name - Learning and teaching (C-3)

7

SEPTEMBER 2019
M T W T F S S M T W T F S S
1 2 3 4 5 6 7 8
9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22
23 24 25 26 27 28 29 30

16 AUGUST FRIDAY
228-137 • WK 33

निबन्धात्मक तथा वस्तुनिष्ठ प्रश्न परीक्षणों की तुलना
Comparision of Essay type and Objective type test

निबन्धात्मक परीक्षण तथा वस्तुनिष्ठ परीक्षण में अनेक समानताएँ व विभिन्नताएँ पाई जाती हैं। इनकी प्रमुख समानताएँ व विभिन्नताएँ निम्नवत् हैं—

1. लगभग सभी प्रकार की महत्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि का मापन करने के लिए निबन्धात्मक परीक्षण अथवा वस्तुनिष्ठ परीक्षण का उपयोग किया जा सकता है।

2. छात्रों के ज्ञानार्जन को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों ही प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग किया जा सकता है।

3. दोनों ही प्रकार के परीक्षण में किसी न किसी प्रकार का विषयनिष्ठ निर्णय लेना होता है।

4. निबन्धात्मक प्रश्नों में छात्रों को अपने उत्तर का प्रारूप स्वयं तैयार करना होता है तथा अपने शब्दों में अभिव्यक्ति करनी होती है जबकि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में छात्रों को अनेक दिये गये उत्तरों में से किसी उत्तर का चयन करना होता है अथवा किसी शब्द, अंक, संकेत अथवा वाक्यांशों के द्वारा अपने उत्तर को अभिव्यक्त करता है।

5. निबन्धात्मक परीक्षण में सामान्य एवं संख्या में कम प्रश्न होते हैं जिनके विस्तृत उत्तर की अपेक्षा की जाती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण में विशिष्ट प्रकार के तथा संख्या में अधिक प्रश्न होते हैं, जिनके संक्षिप्त उत्तर की अपेक्षा की जाती है।

2019

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

6. निबन्धात्मक परीक्षण देते समय छात्र अपना अधिकांश समय सोचने, समझने एवं लिखने में ही लगाते हैं, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण देते समय छात्र अपना अधिकांश समय पढ़ने तथा सोचने में लगाते हैं।

7. निबन्धात्मक परीक्षण से प्राप्त परिणामों की गुणवत्ता काफी सीमा तक परीक्षक की योग्यता के ऊपर निर्भर करती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण से प्राप्त परिणामों की गुणवत्ता काफी सीमा तक परीक्षक और निर्माता की योग्यता पर निर्भर करती है।

8. निबन्धात्मक परीक्षण में धोखा-धड़ी की सम्भावना रहती है, जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में अनुमान लगाने की सम्भावना रहती है।

9. निबन्धात्मक परीक्षणों पर प्राप्त प्राप्तांकों का विवरण काफी सीमा तक परीक्षक के द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है परन्तु वस्तुनिष्ठ परीक्षणों के प्राप्तांकों के विवरण पर परीक्षक का कोई नियंत्रण नहीं होता।

10. निबन्धात्मक परीक्षण तैयार करने में सरल एवं अंकन करने में कठिन व जटिल होते हैं। इसके विपरीत वस्तुनिष्ठ परीक्षण को तैयार करना कठिन व जटिल कार्य है, जबकि उनका अंकन अपेक्षाकृत सरल होता है।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

बिन्दु Point	निबन्धात्मक परीक्षण Essay type Test	वस्तुनिष्ठ परीक्षण Objective type Test
1. रचना	इनकी रचना सरल होती है तथा इनकी रचना में कम समय लगता है।	इनकी रचना कठिन होती है तथा इनकी रचना में अधिक समय, धन व शक्ति की आवश्यकता होती है।
2. अंकन	इनका अंकन कठिन होता है। विषय का ज्ञाता ही अंकन कार्य कर सकता है। इनका आदर्श उत्तर लगभग असंभव होता है।	इनका अंकन सरल होता है। कोई भी व्यक्ति अंकन कार्य कर सकता है। इनका निश्चित उत्तर होता है।
3. प्रश्न के प्रकार	इनमें सामान्य प्रकृति के प्रश्न होते हैं।	इनमें सम्मिलित प्रश्नों की प्रकृति विशिष्ट होती है।
4. प्रश्नों की संख्या	इनमें कम संख्या में प्रश्न होते हैं।	इनमें प्रश्नों की संख्या अधिक होती है।
5. प्रशासन	इनका प्रशासन सरल होता है। सामान्यतः विशिष्ट निर्देशों की आवश्यकता नहीं होती।	इनके प्रशासन में विशिष्ट निर्देशों की आवश्यकता होती है। इसलिए इनका प्रशासन कठिन होता है।
6. भाषा तथा सुलेख	इनमें भाषा तथा सुलेख का महत्वपूर्ण स्थान होता है।	इनमें भाषा व सुलेख का कोई महत्व नहीं होता है।
7. अनुमान का प्रभाव	इनमें अनुमान से उत्तर नहीं लिखा जा सकता, परन्तु धोखा दिया जा सकता है।	इनमें अनुमान से प्रश्नों के उत्तर दिये जाते हैं।
8. वस्तुनिष्ठता	ये कम वस्तुनिष्ठ परीक्षण होते हैं, जिससे मापन की व्यक्तिगत त्रुटि (Personal Errors) अधिक होती है।	ये वस्तुनिष्ठ परीक्षण होते है। इनमें मापन की व्यक्तिगत त्रुटियां नहीं होती हैं।
9. विश्वसनीयता	ये कम विश्वसनीय होते हैं। इनमें मापन की चर त्रुटियां (Variable Errors) अधिक होती है।	ये अधिक विश्वसनीय होते हैं। इनमें मापन की चर त्रुटियां कम होती हैं।
10. वैधता	यह अपेक्षाकृत कम वैध होते हैं। इनमें प्रायः मापन की स्थिर त्रुटियां (Constant Errors) अधिक होती है।	यह अधिक वैध होते हैं। इनमें मापन की स्थिर त्रुटियां प्रायः कम होती हैं।
11. मानक	इनके मानक तैयार करना कठिन होता है । इसलिए इनमें व्याख्यात्मक त्रु टियां (Interpretive Errors) अधिक होती हैं।	इनमें मानक तैयार करना सरल होता है जिससे इनमें व्याख्यात्मक त्रुटियां कम होती हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner